



10/9/2022

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

भाग II—संख्या 4  
PART II—SECTION 4

12] नई दिल्ली, सोमवार, मई 25, 1981/ज्येष्ठ 4, 1903  
No. 12] NEW DELHI, MONDAY, MAY 25, 1981/JYAISTHA 4, 1903

इस भाग में भिन्न प्रकाशित वार्ता वी जाती है जिससे कि यह असाधारण संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

### रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 मई, 1981

कानूनीयों 16(ब) के अनुच्छेद 2(2) की धारा 280 की उपधारा (2) के अनुच्छेद (ग) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त धारा की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार करित्य नियमों की विनियमित प्राप्त उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए कागिन किया जा रहा है, जिसके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है। इसके द्वारा सुचना वी जाती है कि उक्त प्राप्त यह उस धारों से अपेक्षित व्यक्तियों को उस दायरा की प्रतियोगी, जिसमें यह अधिकृत व्यक्ति जाती है, जनता को उपचार करा वी जाती है, साठ दिन की अवधि के समाप्त होने पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनियमित अवधि के समाप्त होने के पूर्व उक्त प्राप्त व्यक्ति को व्यक्ति को साक्षर जो भी आवेदन या सुनाख किसी व्यक्ति से प्राप्त होगे, कानूनीय सरकार इन पर विचार करेंगे।

### प्राप्त नियम

१. संक्षिप्त नाम और प्राप्त नाम :—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सैनिक भूमि और छात्रनी सेवा (समूह 'क') नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की सारीकरण को प्रवृत्त होंगे।

२. परिवर्तनाएँ :—

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अनिवार्य न हो :—

(क) "प्रायोग" से संबंधित सेवा प्रायोग अधिकृत है।

(ख) "कर्तव्य पद" से अनुसूची 1 में सम्मिलित, कोई स्थायी या प्रस्थायी पद अधिकृत है;

(ग) "परीक्षा" से सेवा और ऐसी अन्य सेवा या सेवाओं में जो भर्त्याकार द्वारा समय समय पर विनियमित की जाए, भर्ती के लिए आयोग द्वारा ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा, जिसमें एक प्रारम्भिक परीक्षा और एक मुख्य परीक्षा है, अधिकृत है;

(घ) "सरकार" से केन्द्रीय सरकार अधिकृत है;

(ङ) "श्रेणी" से सेवा की कोई श्रेणी अधिकृत है;

(च) किसी श्रेणी के सम्बन्ध में "नियमित सेवा" से, उस श्रेणी में वीर्वकालीन नियुक्ति के लिए विहित प्रक्रिया के अनुसार, वर्धन के पश्चात् श्रेणी में की गई सेवा की अवधि या अवधियां अधिकृत हैं और इसके अन्तर्गत ऐसी अवधि या अवधियां भी हैं;

(इ) जो सेवा के आरम्भिक घटन पर नियुक्त व्यक्तियों की वर्षा में ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए बनाना में ली जाती है।

(ii) जिन के बौद्धनाम कोई शासकारी श्रेणी में कर्तव्य पद धारण करता था वह छुट्टी पर होने के कारण या ऐसे पद को धारण करने के लिए अवधि अनुपलब्ध न होता।

(ज) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अधिकृत है;

(अ) "अनुसूचित जारीयों" और "अनुसूचित जमाजारीयों" के यहीं दर्श होंगे जो संविधान के अनुच्छेद 366 के अंडे (24) और (25) में हैं;

(क्ष) "सेवा" से नियम 3 के अधीन गठित सैनिक भूमि और छात्रनी सेवा (समूह 'क') अधिकृत है।

3. सैनिक भूमि प्रौर छादनी सेवा (समूह 'क') का गठन :— “सैनिक भूमि प्रौर छादनी सेवा (समूह 'क')” नाम से एक सेवा का गठन किया जाएगा जिससे नियम 6 प्रौर 7 के अधीन सेवा में नियुक्त किए गए छविक होंगे। सेवा में सम्मिलित सभी पद “समूह 'क'” के रूप में वर्गीकृत किए जाएंगे।

4. श्रेणियां, प्राधिकृत संस्था और उसका पुनर्गठनेकत :— (1) इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख को सेवा की विधिमत्र श्रेणियों में सम्मिलित करन्त्य पद उभया संस्था और वेतनमत्र वे होंगे जो अनुसूची 1 में वित्तिविष्ट हैं ।

(2) इन नियमों के प्रारम्भ के पश्चात्, विभिन्न श्रेणियों में पदों की प्राधिकृत स्थायी संस्थान धर्ह होगी जो सरकार द्वारा समय समय पर, अधिकारित की जाए ।

(3) सरकार, कर्तव्य पदों की संलग्ना में अस्थायी वृद्धियों या कमी जो समय समय पर बहु ग्रावर्षक समझे कर सकती ।

(4) सरकार, आधोग के परामर्श से, अनुसूची 1 में सम्मिलित पदों से भिन्न किसी पद को सेवा में सम्मिलित कर सकेगी या उक्त अनुसूची में सम्मिलित किसी पद को सेवा से हटा सकेगी ।

(5) सशकार, धार्योग परामर्श से, किसी ऐसे अधिकारी को, जिसका पद उपनियम (4) के अन्तर्गत सेवा में समिलित है, सेवा की समूचित श्रेणी में, भूस्थायी हैमियत या अधिकारी हैमियत में, जैसा उपयुक्त समझा जाए नियुक्त कर सकेगी और सदृश श्रेणी में उसकी निरन्तर नियमित सेवा को गणना में लेने के पश्चात् श्रेणी में उसकी ज्येष्ठता नियत कर सकेगी।

5. सेवा के सदस्य :— (1) निम्नलिखित व्यक्ति सेवा के सदस्य होंगे :—

(क) इन नियमों के प्रारम्भ के समय नियम 6 के प्रधीन सेवा में नियुक्त किए गए व्यक्ति, ऐसे प्रारम्भ की तारीख से ;

(x) इन नियमों के प्रारम्भ के पश्चात् फार्मल्य पदों पर नियुक्त किए गए व्यक्ति, उस तारीख से, जिस तारीख को वे इस प्रकार नियुक्त किए जाते हैं;

(2) उपनियम (1) के खण्ड (क) के प्रधीन नियुक्त किया गया अधिक, ऐसे प्रारम्भ पर, तत्त्वाधानी श्रेणी में सेवा का सुवर्ण सम्प्राप्त जाएगा।

(3) इस नियम के उपनियम (1) के खण्ड (a) के अधीन नियुक्त किया गया व्यक्ति ऐसी नियुक्ति की तारीख से, तत्स्थानी श्रेणी में सेवा का सादस्य होगा ।

6. सेवा के आरम्भिक गठन :— (1) इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख को सैनिक भूमि वर्ष लायनी सेवा के सभी समूह 'क' प्रथिकारी, सेवा में उन तत्त्वस्थानी पदों या प्रेषियों में, जिन्हें वह ऐसे प्रारम्भ के पश्च नियमित आधार पर धारण कर रखे थे, नियक किए गए समझे जाएंगे।

टिप्पण :—सेवा में धर्मधिकारियों की नियुक्ति के पूर्व ऊपर उपनियम (1) में उल्लिखित तत्त्वानी श्रेणियों में की गई नियमित निरन्तर सेवा को, सेवा में प्रोत्साहन, पुष्टि और वैंगत के लिए धर्मक सेवा के प्रयोजन के लिए गणना में लिया जायगा।

(2) उस रीमा तक, जिस तक कि सेवा में विभिन्न श्रेणियों की प्राधिकृत नियमित संस्था प्रारम्भिक गठन के समय भरी नहीं जाती है, वह नियम 7 के अनुसार भरी जाएगी।

7. सेवा का भावी अनुरक्षण :—(1) नियम 6 के अनुसार अधिकारियों की नियम द्वारा सेवा का आरम्भक गठन पूर्ण हो जाने के पश्चात् रिक्तियां उस रीति में भरी जापारी जो इसमें इसके पश्चात् उपलब्धित हैं।

(2) समूह 'क' की प्रियंका द्वारा समान में अधिष्ठायी रिक्तियों का 75% आयोग द्वारा अनुपूर्णी 2 में यथाविनियिष्ट शैक्षिक अर्हता और इन्हीं सभी तथा परीक्षा की उस स्कीम के अनुसार जो केन्द्रीय सरकार द्वारा आयोग के पारामर्श से समय समय पर अधिधूचित की जाए, सी गई प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर सीधी अर्ती द्वारा भरा जाएगा। योग्यता की अनुसार क्षयन के आधार पर श्रोत्रित द्वारा उन अटिक्षणों को, जो उस श्रेणी के पैनल में हैं, नियाय तब के जब कि कोई व्यक्ति अपनी पारी में ऐसी नियुक्ति के लिए उपयुक्त नहीं समझा जाता है, जिसके कारणों को लेख्यवृद्ध किया जाएगा, पैनल में उनकी ज्येष्ठता के क्रम में नियुक्त द्वारा भरा जाएगा।

(3) उपनियम (2) में निविष्ट पैनल, भाक्षी कार्यपालक अधिकारी सेवा (समूह व ज) और सहायक सैमिक समवा अधिकारी सेवा (समूह 'ज') के तेसे अधिकारियों में से, जिन्होंने अपनी अपनी श्रेणी में कम से कम तीन धर्ष की सेवा की है, 1:1 के अनुपान में योग्यता के अनुसार चयन के प्राधार पर सीयार किया जाएगा ।

(4) सेवा के समूह 'क' ज्येष्ठ वेतनमान और उससे ऊपर के पदों पर नियुक्तिया, अगली विम्नतर श्रेणी में के ऐसे अधिकारियों की प्रोत्तरि द्वारा की जाएगी जिन्होंने अनुसूची 3 में व्याख्यानिषिद्ध म्यूनिस्प्ल दर्छक सेवा की है।

( 5 ) प्रोप्रतियों के लिए अधिकारियों का चयन, अनुभूति 4 में दर्शित संरचना के अनुसार गठित विभागीय प्रोप्रति समिति की सिफारिश पर योग्यता के अनुसार चायन द्वारा किया जाएगा (समृद्ध 'क' ज्येष्ठ वेसनमान के पर्वों पर प्रोप्रति के भागों को छोड़कर जिन पर प्रोप्रति अद्योग्य व्यक्तियों की अस्वीकृत करने की शर्त के अधीन वहाँ तुष्ट ज्येष्ठता के क्रम में की जाएगी ) ।

8. परिवीक्षा :— (1) सेक्या की श्रेणी में नियुक्त व्यक्ति, जाहे वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किए गए हैं जाहे प्रोफेशन द्वारा, दो वर्ष की प्रशिक्षण के लिए कनिष्ठ वेतनमान में परिवीक्षा पर रहेंगे :

परन्तु सरकार परिवेश के दौरान असंतोषप्रद अनुपालन के सिए था विभागीय परीक्षा में असफल होने या प्रशिक्षण पूरा करने में असफल होने या किसी अन्य कारण से जिसके कारण लेखांड्र किये जाएँ किसी व्यक्ति की परिवेश की अवधि बढ़ा सकती है :

पररस्त यह और कि परिवीक्षा की भवधि बढ़ाने की वावत विनियोग, आरम्भिक परीक्षा की अवधि समाप्त होने के तुरस्त पश्चात् मामूली तौर पर 6 से 8 सप्ताह के भीतर, लिया जाएगा और उसके कारणों सहित सम्बन्धित व्यक्ति को संसचित किया जाएगा।

(2) परिवीक्षा की अधिकृति पूर्ण होने पर, व्यक्तियों को, यदि उन्हें स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त पाया जाता है तो, यथास्थिति, उनकी नियुक्ति की पुष्टि की जाएगी या उन्हें उनकी नियुक्ति पर नियमित आवार पर रखा जाएगा और सम्यक् घन्तुकम् में उपलब्ध अधिकारी विक्तियों में उनकी पुष्टि की जाएगी ।

( 3 ) यदि, उपनियम ( 1 ) में खिंचिवट्ट, यथास्थिति, परिकीमा की अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के दौरान, सरकार की यह राय है कि कोई अधिकारी स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त नहीं है या यह ऐसी परिकीमा की अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के दौरान सरकार का यह समाधान हो जाता है कि अधिकारी ऐसी परिकीमा की अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त नहीं होगा तो सरकार कारणों को लेकर बढ़ा करके अधिकारी को यथास्थिति, सेवान्वयन कर सकती है या उसे उसके अधिकारीयी पद पर प्रतिवर्तित कर सकती है या ऐसे आदेश परिवर्त द्वारा भक्ति है जो वह थीक समझे ।

(4) परिवेश की प्रवृत्ति के बौरान, सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किए गए व्यक्तियों से परिवेश की संतोषपूर्वक स्थिति पर्याप्त करने की आवश्यकता है।

के रूप में, केन्द्रीय सरकार ऐसे प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, अनुवेश, परीक्षाएं और परीक्षण (जिनके प्रत्यारूप हिन्दी परीक्षा और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकावामी के पाठ्यक्रम के प्रत्य पर परीक्षण भी हैं) लेने की अपेक्षा कर सकेगी जो वह ठीक गमते :

परन्तु किसी ऐसे परिनीताधीन व्यक्ति की दण में, जो ऐसा परीक्षण उत्तीर्ण नहीं कर पाता उसको वह पहली बेतनवृद्धि जिसे वह परीक्षण का परिणाम घोषित किए जाने के पश्चात् पाने का हकदार हो जाता है एक वर्ष के लिए या उस तारीख तक के लिए जिसको वह आगामी बेतनवृद्धि का हकदार हो जाता है, इनमें से जो भी पूर्ववर्ती हो, मुलतां कर दी जाएगी ।

9. सेवा के सदस्यों की सेवा में नियुक्ति, तैनाती और स्थानान्तरण :— सेवा में सभी नियुक्तियाँ सरकार द्वारा की जाएंगी और सेवा के सदस्यों की तैनातियाँ और उनका स्थानान्तरण महानिवेशक, रक्षा भूमि और छावनी द्वारा किए जाएंगे ।

10. भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर सेवा करने का व्यक्तिय और सेवा की अन्य शर्तें :— (1) सेवा में नियुक्त किए गए प्रधिकारी भारत में कही भी या भारत से बाहर सेवा करने के बायी होंगे ।

(2) वे अधिकारी जो यदि प्रतिनियुक्त किए जाएं, भारत सरकार के किसी अन्य संवालय या विभाग या भारत सरकार के अधीन किसी निगम या अधिकारिक उपक्रम में सेवा करने के बायी होंगे ।

(3) सेवा के सदस्यों की सेवा की शर्तें उन मामलों की बाबत जिनके लिए इन नियमों में उपचार नहीं किए गए हैं, ऐसी ही होंगी जो साधारणतः केन्द्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों को समय-समय पर लागू होती है ।

11. निरहृताएं :— वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिस का पति या जितकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है ; सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को नागृ स्वीप विधि के अधीन अनुसूची है और ऐसा करने के लिए अन्य आवार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

12. पिंगिल करने की शक्ति :— जहाँ सरकार की यह रख है कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षित है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें सेवा बद्ध करके तथा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपचार या कोई व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, पिंगिल कर सकेगी ।

13. आवृत्ति :— इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आवश्यकों, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं आवेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुभूतिस जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपचार करना प्रयोगित है ।

14. निर्वैकल्पक :— यदि इन नियमों के निर्वाचन के संबंध में कोई प्रश्न उठता है तो उसका विनिश्चय सरकार द्वारा किया जाएगा ।

15. निरसन : समय-समय पर व्यारोधाधित और जहाँ तक कि वे इन नियमों के अधीन आते बाले ममूह 'क' पदों को लागू होते हैं, सेवा भूमि और छावनी सेवा (वर्ग 1 और वर्ग 2) नियम, 1951 द्वारा निरसित किए जाते हैं :

परन्तु ऐसा निरसन ऐसे निरसन से पहले उक्त नियमों के अधीन को गई किसी बात या कार्रवाई पर प्रभाव नहीं आवेगा तदनुसार वने रहेंगे ।

सी० श०० भारतपाल, संपूर्ण सचिव

### अनुसूची 1

[नियम 2 का खण्ड (ख) और नियम 4 का उपनियम (1) देखिए]

सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह 'क') की विभिन्न श्रेणियों में सम्मिलित कर्तव्य पदों का नाम, उनकी संख्या और उनके बेतनमान :

क्रम सं०	पद का नाम	पदों की संख्या	बेतनमान
1.	महानिवेशक	1	2500-125/2-2750 रु०
2.	निवेशक/उप महानिवेशक	9	2000-125/2-2500 रु०
3.	संयुक्त निवेशक	5	2000-125/2-2250 रु०
4.	उपनिवेशक/सहायक महानिवेशक	11	1500-60-1800-100-2000 रु०
5.	सहायक निवेशक/उप सहायक महानिवेशक/सैनिक सम्पदा अधिकारी/छावनी कार्यपालक अधिकारी (ज्येष्ठ बेतनमान)	56	1100 (वर्ग 1 और वर्ग 2)---50—1600 रु०, अनुसूची 3 के उपचारों के अधीन रहते हुए ।
6.	छावनी कार्यपालक अधिकारी (कमिष्ट बेतनमान)	34	700-1300 रु०

### अनुसूची 2

[नियम 7 का उपनियम (2) देखिए]

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के लिए सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह 'क') के नियम 'क' कनिष्ठ बेतनमान के पदों पर सीधी भर्ती के लिए न्यूमतम सीधिक अर्हताएं और आयु सीमा :

अप्पर्थी,

(i) भारत के केन्द्रीय या किसी राज्य विधान भण्डल के किसी अधिनियम द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय या संसद के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित किसी अन्य शिक्षा संस्था या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की द्वारा 3 के अधीन घोषित किए समझे गए विषय-

विद्यालय या केन्द्रीय सरकार द्वारा समर्थ-समय पर अनुमोदित विदेशी विद्यालय की उपाधि रखता हो या ऐसी अहेताएं रखता हो जिन्हें सरकार द्वारा परीक्षा में प्रवेश के प्रयोगन के लिए मात्रता दी गई है।

(ii) उस वर्ष की 1 जनवरी को, जिस वर्ष में परीक्षा होती है, 21 वर्ष की आयु का हो किन्तु 23 वर्ष से अधिक आयु का न हो।

### अनुसूची 3

[वियम 7 का उपनियम (2), (3) और 4 देखिए]

सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह 'क') की विभिन्न श्रेणियों में सम्मिलित कर्तव्य पदों पर भर्ती की प्रवत्ति, प्रीक्षण का क्षेत्र और प्रोत्साहित पर अधिकारियों की नियुक्ति के लिए टीक नीचे वाली निम्नतम प्रधान सेवा :

क्रम संख्या	पद का नाम	भर्ती की पद्धति	व्यवन का क्षेत्र और प्रोत्साहित के लिए स्थूलतम प्रधान सेवा
1	2	3	4
1.	महानिवेशक (2500-2750 रु.)	प्रोत्साहित द्वारा	ऐसे निवेशक/उप महानिवेशक जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है।
2.	निवेशक/उप-महानिवेशक (2000-2500 रु.)	प्रोत्साहित द्वारा	ऐसे संयुक्त निवेशक जिन्होंने उस श्रेणी में 2 वर्ष नियमित सेवा की है।
3.	संयुक्त निवेशक	प्रोत्साहित द्वारा	ऐसे निवेशक/सहायक महानिवेशक जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।
4.	उप निवेशक/सहायक महानिवेशक (1500-2000 रु.)	प्रोत्साहित द्वारा	ऐसे सहायक निवेशक/उप सहायक महानिवेशक/सैनिक सम्पदा प्रधिकारी/छावनी कार्यपालक अधिकारी (ज्येष्ठ वेतनमान) जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।
5.	सहायक निवेशक/उप सहायक महानिवेशक/सैनिक सम्पदा अधिकारी/छावनी कार्यपालक अधिकारी (कनिष्ठ वेतनमान) (1100-1600 रु.)	प्रोत्साहित द्वारा (अन्यथा के आधार पर)	ऐसे छावनी कार्यपालक प्रधिकारी (कनिष्ठ वेतनमान) जिन्होंने परिवेशक, जिसके अन्तर्गत विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करना भी है, सकलता पूर्वक पूरी कर ली है।
6.	छावनी कार्यपालक अधिकारी (कनिष्ठ वेतनमान) (700-1300 रु.)	(i) 25% प्रोत्साहित द्वारा (ii) 75% वियम 7 के उपनियम (2) के अनु- सार सीधी भर्ती द्वारा	छावनी कार्यपालक अधिकारी सेवा (समूह 'क') और सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी (समूह 'क') के ऐसे अधिकारियों में से 1 : 1 के अनुपात में, जिन्होंने अपनी-अपनी श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है।

### अनुसूची 4

[वियम 7 का उपनियम (5) देखिए]

सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह 'क') के समूह 'क' पदों पर प्रोत्साहित और पुष्टि के मामलों पर विचार करने के लिए समूह 'क' विभागीय प्रोत्साहित समिति की संरचना :

क्रम संख्या	पद का नाम	(प्रोत्साहित पर विचार करने के लिए) समूह 'क' विभागीय प्रोत्साहित समिति	(पुष्टि पर विचार करने के लिए) समूह 'क' विभागीय प्रोत्साहित समिति
1	2	3	4
1.	महानिवेशक	(i) अध्यक्ष/सदस्य, सं० स०० से० प्रा० —प्रधान (ii) सचिव/प्रपर सचिव, रक्षा मंत्रालय —सदस्य	(i) सचिव, रक्षा मंत्रालय —प्रधान
2.	(i) निवेशक/उपमहानिवेशक (ii) संयुक्त निवेशक (iii) उपनिवेशक/सहायक महानिवेशक	(i) अध्यक्ष/सदस्य, सं० स०० से० प्रा० —प्रधान (ii) संयुक्त सचिव (पी० और इल्लू) —सदस्य (iii) महानिवेशक, शी० एल० और सी० —सदस्य	(ii) प्रपर सचिव, रक्षा मंत्रालय —सदस्य (i) सचिव/प्रपर सचिव, रक्षा मंत्रालय —प्रधान (ii) संयुक्त सचिव (पी० और इल्लू) —सदस्य (iii) महानिवेशक, शी० एल० और सी० —सदस्य
3.	सहायक निवेशक/उप सहायक महानिवेशक/सैनिक सम्पदा अधिकारी/छावनी कार्यपालक अधिकारी (ज्येष्ठ वेतनमान)	(i) संयुक्त सचिव (पी० और इल्लू), रक्षा मंत्रालय —प्रधान (ii) महानिवेशक/उपमहानिवेशक, शी० एल० और सी० —सदस्य (iii) उप सचिव (सी० पी०), रक्षा मंत्रालय —सदस्य	(i) संयुक्त सचिव (पी० और इल्लू), रक्षा मंत्रालय —प्रधान (ii) महानिवेशक/उपमहानिवेशक —शी० एल० और सी० —सदस्य (iii) उपसचिव (सी० पी०), रक्षा मंत्रालय —सदस्य

1	2	3	4
4. छात्री कार्यवालक भ्रताधारी (कमिल्ड बैतनमाल)	(i) प्रधान/सचिव-सं० ल०० से० आ० -- अध्यक्ष (ii) संयुक्त सचिव (पी० और० ड०ल्यू), रक्षा मन्त्रालय -- सदस्य (iii) महानिदेशक, डी० एस० और० सी० -- सदस्य	-- अध्यक्ष रक्षा मन्त्रालय -- सदस्य (iii) उप सचिव (सी० पी०) रक्षा मन्त्रालय -- सदस्य	(i) संयुक्त सचिव (पी० और० ड०ल्यू), रक्षा मन्त्रालय -- अध्यक्ष (ii) महानिदेशक/उपग्रहानिदेशक, डी० एस० और० सी० -- सदस्य

टिप्पण 1 :—यदि समिति के मामले से अधिक सदस्य उसके प्रधिवेशन में उपस्थित रहे थे तो आयोग के प्रध्यक्ष या सदस्य से विश्व किसी सदस्य के अनुपस्थित रहने से, समिति की कार्यवाही प्रविधिमान्य नहीं होगी ।

टिप्पण 2 :—पुष्टि से मंबंधित विभागीय प्रोफ्रेशन समिति की कार्यवाहिया आयोग के अनुसारवार्ष भेजी जाएगी । किसी भद्र आयोग इनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोफ्रेशन समिति को बैठक संघ लोक सेवा आयोग के प्रध्यक्ष या किसी सदस्य की शामिलता में फिर से होगी ।

टिप्पण 3 :—यदि सेवा के किसी पद पर नियुक्त किसी प्रधिकारी के मामले पर उच्चतर पद में प्रोफ्रेशन के प्रयोगन के लिए विचार किया जाता है तो ऐसी में उससे अद्यता सभी व्यक्तियों के मामले पर भी, इस बात को विचार में लाए बिना कि उन्होंने अपेक्षित रूपों की सेवा नहीं की है, विचार किया जाएगा ।

### MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 23rd May, 1981

**S.R.O. 16(E).**—The following draft of certain rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (cc) of sub-section (2) of section 280 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), is hereby published as required by the said sub-section (1) of that section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

### DRAFT RULES

1. Short title and Commencement.—(1) These rules may be called the Military Lands and Cantonments Service (Group 'A') Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Commission" means the Union Public Service Commission;
- (b) "Duty Post" means any post, whether permanent or temporary, included in Schedule I;
- (c) "Examination" means a combined competitive examination consisting of a preliminary examination and a main examination conducted by the Commission for recruitment to the Service and such other Service or Services as may be specified by the Government from time to time;
- (d) "Government" means the Central Government;
- (e) "Grade" means a grade of the Service;
- (f) "Regular Service" in relation to any grade means the period or periods of service in the grade rendered after selection according to prescribed procedure, for a long term appointment to that grade and includes any period or periods;
- (i) taken into account for purposes of seniority in the case of those appointed at the initial constitution of the Service;

(ii) during which an officer would have held a duty post in the grade but for being on leave or otherwise not being available for holding such post;

(g) "Schedule" means a Schedule to these rules;

(h) "Scheduled Castes" and "Scheduled Tribes" shall, respectively, have the same meaning as in clauses (24) and (25) of article 366 of the Constitution;

(i) taken into account for purpose of seniority in the Service (Group 'A') constituted under rule 3.

3. Constitution of the Military Lands and Cantonments Service (Group 'A').—There shall be constituted a Service known as "the Military Lands and Cantonments Service (Group 'A')" consisting of persons appointed to the Service under rules 6 and 7. All the posts included in the Service shall be classified as "Group 'A' posts.

4. Grades, Authorized Strength and its Review.—(1) The duty posts included in the various grades of the Services, their number and scales of pay on the date of commencement of these rules shall be as specified in Schedule I.

(2) After the commencement of these rules, the authorised permanent strength of the duty posts in various grades shall be such as may, from time to time, be determined by the Government.

(3) The Government may make temporary additions to or deletions from the strength of the duty posts in various grades as it may deem necessary from time to time.

(4) The Government may, in consultation with the Commission, include in the Service any posts other than those included in Schedule I or exclude from the Service a post included in the said Schedule.

(5) The Government may, in consultation with the Commission, appoint an officer whose post is included in the Service under sub-rule (4), to the appropriate grade of the Service in a temporary capacity or in a substantive capacity, as may be deemed fit, and fix his seniority in the grade after taking into account his continuous regular service in the analogous grade.

5. Members of the Service:—(1) The following persons shall be members of the Service, namely:—

- (a) persons appointed to the Service at the commencement of these rules under rule 6 from the date of such commencement;
- (b) persons appointed to duty posts after the commencement of these rules from the date they are so appointed.

(2) A person appointed under clause (a) of sub-rule (1) shall, on such commencement, be deemed to be a member of the Service in the corresponding grade.

(3) A person appointed under clause (b) of sub-rule (1) shall be a member of the Service in the corresponding grade, from the date of such appointment.

6. Initial Constitution of the Service.—(1) All Group 'A' officers in the Military Lands and Cantonments Service on the date of commencement of these rules, shall be deemed to have been appointed to the Service in the posts or grades corresponding to those which they were holding on regular basis before such commencement.

Note.—The regular continuous service of officers mentioned in sub-rule (1) in the respective corresponding grades prior to their appointment to the Service shall count for the purpose of qualifying service for promotion, confirmation and pension in the Service.

(2) To the extent the authorised regular strength of various grades in the Service is not filled at the time of the initial constitution, it shall be filled in accordance with rule 7.

7. Future maintenance of the Service.—(1) After the initial constitution of the Service has been completed by the appointment of officers in accordance with rule 6, vacancies shall be filled in the manner as hereinafter provided.

2. 75 per cent of the substantive vacancies in Group 'A' Junior scale shall be filled by direct recruitment on the results of a competitive examination conducted by the Commission in accordance with the educational qualifications and age limit as specified in Schedule II and the scheme of examination as may be notified by the Government, in consultation with the Commission, from time to time. The remaining 25 per cent substantive vacancies and all temporary vacancies shall be filled by appointment of persons, by promotion on the basis of selection on merit, included in the panel for this grade in the order of seniority in the panel, except when, for reasons to be recorded in writing, a person is not considered fit for such appointment in his turn.

(3) The panel referred to in sub-rule (2) shall be prepared on the basis of selection on merit in the ratio of 1 : 1 from amongst officers of the Cantonment Executive Officer Service (Group 'B') and Assistant Military Estates Officer Service (Group 'B') who have rendered not less than 3 years' regular service in the respective grades.

(4) Appointment to posts in Group 'A' Senior scale and above of the Service shall be made by promotion from amongst the officers in the next lower grade with the minimum qualifying service as specified in Schedule III.

(5) The selection of officers for promotions shall be made by selection on merit (except in the case of promotion to the posts in Group 'A' Senior scale which shall be in the order of seniority subject to rejection of the unfit) on the recommendations of the Departmental Promotion Committee constituted in accordance with the composition given in Schedule IV.

8. Probation.—(1) Every person on appointment to the service either by direct recruitment or by promotion to the Junior Scale shall be on probation for a period of two years :

Provided that the Government may extend the period of probation of any person for unsatisfactory performance during the probation or for failure to pass the departmental examination or for non-completion of training or for any other reasons to be recorded in writing.

Provided further that the decision regarding extension of period of probation shall be taken immediately after the expiry of the initial period of probation, ordinarily within a period of 6 to 8 weeks and communicated to the concerned person together with the reasons for such extension.

(2) On the completion of the period of probation, persons shall, if considered fit for permanent appointment, be confirmed in their appointment, or be retained in their appointment on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies as the case may be.

(3) If during the period of probation referred to in sub-rule (1) or any extension thereof, as the case may be, the Government is of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if, at any time during such period of probation or extension thereof, the Government is satisfied that the candidate will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension thereof, the Government may, for reasons to be recorded in writing may discharge or revert the candidate to his substantive post as the case may be, or pass such orders as it deems fit.

(4) During the period of probation, candidates appointed by direct recruitment may be required by the Government to undergo such courses of training and instructions and examinations and tests (including examination in Hindi and the test at the end of the course at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration) as it may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation :

Provided that in case any of the probationers does not pass such test, the first increment which he would be entitled to draw after the results of the test are announced, shall be postponed by one year or upto the date on which he becomes entitled to the next subsequent increment, whichever is earlier.

9. Appointment to the Service, Postings and Transfers of Members of the Service.—All appointments to the Service shall be made by the Government and the postings and transfers of the members of the Service shall be made by the Director General, Defence Lands and Cantonments.

10. Liability to serve in any part of India or outside and other conditions of service.—(1) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(2) Officers, if deputed, shall be liable to serve in, any other Ministry or Department of the Government of India or Corporation and Industrial Undertakings under the Government of India.

(3) The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are applicable, from time to time, to officers of Central Civil Services, in general.

#### 11. Disqualifications.—No persons—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or  
 (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,  
 shall be eligible for appointment to the Service : Provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

12. Power to relax.—Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

13. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Government from time to time.

14. Interpretation.—If, any question relating to the interpretation of these rules arises, it shall be decided by the Government.

15. Repeal.—The Military Lands and Cantonments Service (Group 'A' and Group 'B') Rules, 1951, as amended from time to time, and in so far as they relate to Group 'A' posts covered by these rules, are hereby repealed:

Provided that such repeal shall not affect anything done or action taken under the said rules, before such repeal.

C. V. NARAYANAN, Jt. Secy.

## SCHEDULE I

[See clause (b) of rule 2 and sub-rule (1) of rule 4]

Names, Number and Scale of Pay of Duty Posts included in the various grades of the Military Lands and Cantonments Service (Group 'A') :

Sl. No.	Name of the post	No. of posts	Scale of pay
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Director General	1	Rs. 2500-125/2-2750
2.	Director/Deputy Director General	9	Rs. 2000-125/2-2500
3.	Joint Director	5	Rs. 2000-125/2-2250
4.	Deputy Director/Assistant Director General	11	Rs. 1500-60-1800-100-2000
5.	Assistant Director/Deputy Assistant Director General/Military Estates Officer/Cantonment Executive Officer (Senior scale)	56	Rs. 100 (6th year or under) 50—1600, subject to the provisions of Schedule III.
6.	Cantonment Executive Officer (Junior scale)	34	Rs. Rs. 700-1300.

## SCHEDULE II

[See sub-rule (2) of rule 7]

Minimum educational qualifications and age limit for direct recruitment to posts in Group 'A' Junior Scale of the Military Lands and Cantonments Service (Group 'A') for the competitive examination to be conducted by the Union Public Service Commission:

A candidate must have :

- (i) A degree of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under section 3 of the University Grants Commission Act, 1956, or a foreign University approved by the Government from time to time or possess qualification which has been recognised by the Government for the purpose of admission to the examination.
- (ii) Attained the age of 21 years but must have not attained the age of 28 years on the first day of January of the year in which the examination is held.

## SCHEDULE III

[See sub-rules (2), (3) and (4) of rule 7]

Method of recruitment, field of promotion and the minimum qualifying service in the next lower grade for appointment of officers on promotion to duty posts included in the various grades of the Military Lands.....and Cantonments Service (Group 'A') :

Sl. No.	Name of the post	Method of recruitment	Field of selection and the minimum qualifying service for promotion
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Director General (Rs. 2500-2750)	By promotion	Director/Deputy Director General with 3 years regular service in the grade.
2.	Director/Deputy Director General (Rs. 2000-2500)	By promotion	Joint Directors with 2 years regular service in the grade.
3.	Joint Director	By promotion	Deputy Director/Assistant Director General with 5 years regular service in the grade.
4.	Deputy Director/Assistant Director General (Rs. 1500-2000)	By promotion	Assistant Director/Deputy Assistant Director General/Military Estates Officer/Cantonment Executive Officer (Senior scale) with 5 years regular service in the grade.
5.	Assistant Director/Deputy Assistant Director General/Military Estates Officer/Cantonment Executive Officer (Senior scale) (Rs. 1100-1600)	By promotion (on non-selection basis)	Cantonment Executive Officers (Junior Scale) who have successfully completed the probation including passing of Departmental Examination.
6.	Cantonment Executive Officer (Junior Scale) (Rs. 700-1300)	(i) 25% by promotion (ii) 75% by direct recruitment in accordance with sub-rule (2) of rule 7.	(i) From amongst officers of the Cantonment Executive Officer Service (Group 'B') and Assistant Military Estates Officer service (Group 'B') in the ratio of 1 : 1 with 3 years regular service in the respective grades.

## SCHEDULE IV

[See sub-rule (5) of rule 7]

Composition of Group 'A' Departmental Promotion Committee for considering cases of promotion and confirmation to Group 'A' posts in the Military Lands and Cantonments Service (Group 'A') :

Sl. No.	Name of the post	Group 'A' DPC	Group 'A' DPC
		(for consideration promotion)	(for considering confirmation)
(1)	(2)	(3)	(4)
1. Director General		(i) Chairman/Member, UPSC—Chairman (ii) Secretary/Additional Secretary, Ministry of Defence—Member.	(i) Secretary, Ministry of Defence—Chairman. (ii) Additional Secretary, Ministry of Defence—Member.
2. (i) Director/Deputy Director General (ii) Joint Director (iii) Deputy Director/Assistant Director General		(i) Chairman/Member, UPSC—Chairman (ii) Joint Secretary (P & W), Ministry of Defence—Member (iii) Director General, DL & C—Member	(i) Secretary/Additional Secretary, Ministry of Defence—Chairman. (ii) Joint Secretary (P & W), Ministry of Defence—Member. (iii) Director General, DL & C—Member.
3. Assistant Director/Deputy Assistant Director General/Military Estates Officer/ Cantonment Executive Officer (Senior Scale).		(i) Joint Secretary (P & W), Ministry of Defence—Chairman (ii) Director General/Deputy Director General, DL & C—Member (iii) Deputy Secretary (CP), Ministry of Defence—Member.	(i) Joint Secretary (P & W), Ministry of Defence—Chairman. (ii) Director General/Deputy Director General, DL & C—Member. (iii) Deputy Secretary (CP), Ministry of Defence—Member.
4. Cantonment Executive Officer (Junior Scale)		(i) Chairman/Member, UPSC—Chairman (ii) Joint Secretary (P & W), Ministry of Defence—Member (iii) Director General/Deputy Director General, DL & C—Member.	(i) Joint Secretary (P & W), Ministry of Defence—Chairman. (ii) Director General/Deputy Director General, DL & C—Member. (iii) Deputy Secretary (CP), Ministry of Defence—Member.

Note 1 : The absence of Member, other than the Chairman or a Member of the Commission shall not invalidate the proceedings of the Committee, if more than half the Members of the Committee had attended its meetings.

Note 2 : The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent the Commission for approval. If, however these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the UPSC shall be held.

Note 3 : If an appointed to any post in the Service is considered for the purpose of promotion to the higher post, all persons senior to him in the grade shall also be considered notwithstanding that they may not have rendered the requisite number of years of service.